(ix) Need to set up a new fertilizer plant of Fertilizers Corporation of India Limited at Gorakhpur, Uttar Pradesh

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, देश में हरित क्रंति की सफलता में भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। परन्तु, प्रबंध तंत्र की उदासीनता तथा विभिन्न सरकारों द्वारा भी पर्याप्त ध्यान न देने के कारण आज पूरा उपक्रम बंदी के कगार पर है। निगम की गोरखपुर स्थित इकाइ 1969 में स्थापित की गयी थी, जो 10 जून, 1990 को बंद हो गयी। तबसे लगातार बंद चल रही है। तीन तीन माननीय प्रधानमंत्रियों की घोषणा के बावजूद उक्त बंद इकाइ को नहीं चलाया जा सका है। उक्त इकाइ में कार्यरत कर्मचारियों/अधिकारियों को जबरदस्ती वी.आर.एस देकर निकाला जा चुका है। वर्ष 1998-1999 में गोरखपुर स्थित उर्वरक निगम की बंद इकाइ के स्थान पर नया उर्वरक संयंत्र लगाने में कृषक भारी को-ऑपरेटिव लिमिटेड ने रूचि दिखायी थी, परन्तु अपरिहार्य कारणों से वह संभव नहीं हो पाया है।

मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि उर्वरक निगम की गोरखपुर स्थित इकाइ के स्थान पर कोई उर्वरक संयंत्र लगाने की व्यवस्था की जाये।